8. चतुर्भुज

प्रश्नावली 8.1

Q1. एक चतुर्भुज के कोण 3 : 5 : 9 :13 के अनुपात में हैं | इस चतुर्भुज के सभी कोण ज्ञात कीजिए |

Solution:

माना $\angle A = 3x$,

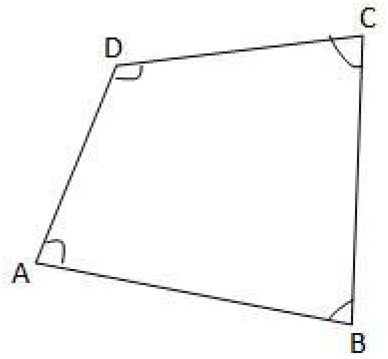

$\angle B = 5x$,

$\angle C = 9x$ और

$\angle D = 13x$,

$\therefore \angle A + \angle B + \angle C + \angle D = 360^\circ$

(किसी चतुर्भुज के चारों कोणों का योग 360 ° होता है)

$\Rightarrow 3x + 5x + 9x + 13x = 360^\circ$

$\Rightarrow 30x = 360^\circ$

$$x = \frac{360^0}{30} = 12^0$$

अत: सभी कोण

$\angle A = 3x = 3 \times 12^\circ = 36^\circ$

$\angle B = 5x = 5 \times 12^\circ = 60^\circ$

$\angle C = 9x = 9 \times 12^{\circ} = 108^{\circ}$

$\angle D = 13x = 13 \times 12^{\circ} = 156^{\circ}$

Q2. यदि एक समांतर चतुर्भुज के विकर्ण बराबर हों, तो दर्शाइए कि वह एक आयत है |

Solution:

दिया है : ABCD एक समांतर चतुर्भुज है |

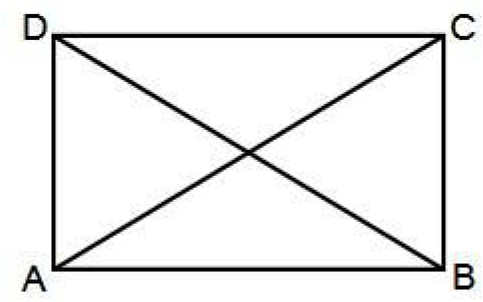

जिसके विकर्ण AC = BD है |

सिद्ध करना है : ABCD एक आयत है |

प्रमाण : ΔABD तथा ΔABC में

AD = BC (समांतर चतुर्भुज की सम्मुख भुजा)

AB = AB (उभयनिष्ठ)

BD = AC (दिया है)

SSS सर्वांगसमता नियम से

नोट: CPCT का पूरा नाम

सर्वांगसम त्रिभुज के संगत भाग बराबर होते हैं |

Corresponding Part of Congruent Triangles

ΔABD ≅ ΔABC

$\therefore \angle A = \angle B$ (By CPCT) …… (1)

चूँकि ABCD एक समांतर चतुर्भुज है |

$\therefore$ AD || BC और AB एक तिर्यक रेखा है |

अत: $\angle A + \angle B = 180^\circ$ (अंत: आसन्न कोणों का योग)

$\Rightarrow \angle A + \angle A = 180^\circ$ ..समीo (1) से

$\Rightarrow 2\angle A = 180^\circ$

$\Rightarrow \angle A = 90^\circ$

(वह समांतर चतुर्भुज जिसकी एक कोण समकोण हो आयत कहलाता है)

अत: ABCD एक आयत है | proved

Q3. दर्शाइए कि यदि एक चतुर्भुज के विकर्ण परस्पर समकोण पर समद्विभाजित करें, तो वह एक समचतुर्भुज होता है।

Solution:

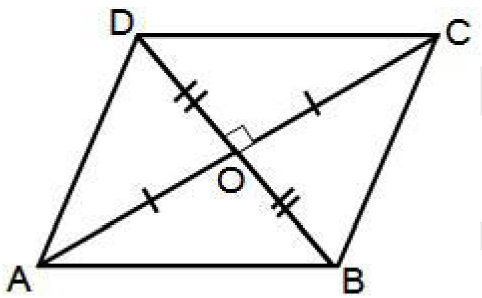

दिया है : ABCD एक चतुर्भुज है |

जिसके विकर्ण AC तथा BD एक दुसरे को बिंदु O

पर समद्विभाजित करते हैं | जहाँ $\angle COD = 90^\circ$ है

और AO = CO तथा BO = DO है |

सिद्ध करना है : ABCD एक आयत है |

नोट: कार्यकारी नियम:

(i) सबसे पहले इसको एक समांतर चतुर्भुज सिद्ध करेंगे फिर इसकी प्रत्येक भुजा को बराबर दिखायेंगे | जब यह समचतुर्भुज सिद्ध हो जायेगा |

ATP Help

प्रमाण : ΔAOB तथा ΔCOD में

$AO = CO$ (दिया है)

$BO = DO$ (दिया है)

$\angle AOB = \angle COD$ (शिर्षाभिमुख कोण)

अत: SAS सर्वांगसमता नियम से

$\Delta AOB \cong \Delta COD$

$\therefore AB = CD$ **(By CPCT)** …… (1)

तथा $\angle BAO = \angle DCO$ (एकांतर कोण) **(By CPCT)**

$\therefore AB \parallel CD$ .... (2) (*एकांतर कोण बराबर हो तो रेखाएँ समांतर होती है*)

समी० (1) तथा (2) से

ABCD एक समांतर चतुर्भुज है |

(*यदि किसी चतुर्भुज की सम्मुख भुजाओं का एक युग्म बराबर एवं समान्तर हो तो वह समान्तर चतुर्भुज होता है* |)

$\therefore AD = BC$ .... (3) (*समांतर चतुर्भुज की सम्मुख भुजा बराबर होती है*)

अब ΔAOD तथा ΔCOD में

$AO = CO$ (दिया है)

$DO = DO$ (उभयनिष्ठ)

$\angle AOD = \angle COD$ (90° प्रत्येक)

अत: SAS सर्वांगसमता नियम से

$\Delta AOD \cong \Delta COD$

$\therefore AD = CD$ **(By CPCT)** …… (4)

समी० (1), (3) तथा (4) से हम पाते हैं |

$AB = BC = CD = AD$

अत: ABCD एक समचतुर्भुज है | (**Proved**)

(वह समान्तर चतुर्भुज जिसकी प्रत्येक भुजा बराबर हो समचतुर्भुज होता है |)

Q4. दर्शाइए कि एक वर्ग के विकर्ण बराबर होते हैं और परस्पर समकोण पर समद्विभाजित करते हैं |

Solution:

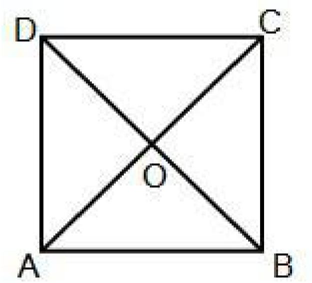

दिया है : ABCD एक वर्ग है जिसके विकर्ण AC तथा BD एक

दुसरे को बिंदु O पर प्रतिच्छेद करते है |

सिद्ध करना है :

(i) AO = CO तथा BO = DO

(ii) AOB = 90°

प्रमाण : ΔAOB तथा ΔCOD में

$AB = CD$ (वर्ग की भुजा)

$\angle BAO = \angle DCO$ (एकांतर कोण)

$\angle AOB = \angle COD$ (शिर्षाभिमुख कोण)

अत: ASA सर्वांगसमता नियम से

$\Delta AOB \cong \Delta COD$

$\therefore$ AO = CO तथा BO = DO **(By CPCT) .... (1)**

पुन: ΔAOB तथा ΔBOC में

AB = BC (वर्ग की भुजा)

BO = BO (उभयनिष्ठ)

AO = CO समी० (1) से

अत: SSS सर्वांगसमता नियम से

$\Delta AOB \cong \Delta BOC$

अत: $\angle AOB = \angle COB$ **(By CPCT) .... (2)**

अब $\angle AOB + \angle COB = 180^\circ$ (रैखिक युग्म)

$\Rightarrow \angle AOB + \angle AOB = 180^\circ$ समी0 (2) से

$\Rightarrow 2\angle AOB = 180^\circ$

$\Rightarrow \angle AOB = 90^\circ$

Proved

Q5. दर्शाइए कि यदि एक चतुर्भुज के विकर्ण बराबर हो और परस्पर समद्विभाजित करें, तो वह एक वर्ग होता है |

Solution:

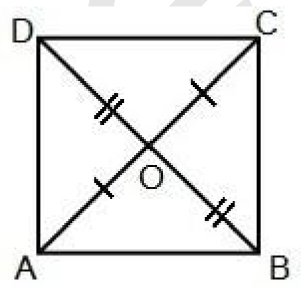

दिया है : ABCD एकचतुर्भुज है जिसमें विकर्ण AC = BD है और एक

दुसरे को बिंदु O पर प्रतिच्छेद करते है | जहाँ AO = CO तथा BO = DO है |

सिद्ध करना है : ABCD एक वर्ग है |

प्रमाण : ΔAOB तथा ΔCOD में

$AO = CO$ (दिया है)

$BO = DO$ (दिया है)

$\angle AOB = \angle COD$ (शिर्षाभिमुख कोण)

अत: SAS सर्वांगसमता नियम से

$\Delta AOB \cong \Delta COD$

$\therefore AB = CD$ **(By CPCT)** …… (1)

तथा $\angle BAO = \angle DCO$ (एकांतर कोण) **(By CPCT)**

$\therefore AB \parallel CD$ ……… (2) (*एकांतर कोण बराबर हो तो रेखाएँ समांतर होती है*)

समी० (1) तथा (2) से

ABCD एक समांतर चतुर्भुज है |

(*यदि किसी चतुर्भुज की सम्मुख भुजाओं का एक युग्म बराबर एवं समान्तर हो तो वह समान्तर चतुर्भुज होता है* |)

$\therefore AD = BC$ ……….. (3) (*समांतर चतुर्भुज की सम्मुख भुजा बराबर होती है*)

अब ΔAOD तथा ΔCOD में

$AO = CO$ (दिया है)

$DO = DO$ (उभयनिष्ठ)

$\angle AOD = \angle COD$ (90^o प्रत्येक)

अत: SAS सर्वांगसमता नियम से

$\Delta AOD \cong \Delta COD$

$\therefore AD = CD$ **(By CPCT)** …… (4)

समी० (1), (3) तथा (4) से हम पाते हैं |

$AB = BC = CD = AD$ ……….. (5)

अब, ΔABD तथा ΔABC में

$AD = BC$ (वर्ग की सम्मुख भुजा)

$AB = AB$ (उभयनिष्ठ)

$BD = AC$ (दिया है)

SSS सर्वांगसमता नियम से

$\Delta ABD \cong \Delta ABD$

$\therefore \angle A = \angle B$ (By CPCT) …… (6)

चूँकि ABCD एक वर्ग है |

$\therefore AD \parallel BC$ और AB एक तिर्यक रेखा है |

अत: $\angle A + \angle B = 180^o$ (अंत: आसन्न कोणों का योग)

$\Rightarrow \angle A + \angle A = 180^o$ ..समी० (6) से

$\Rightarrow 2\angle A = 180^o$

$$\Rightarrow \angle A = \frac{180^o}{2} = 90^o$$

$\Rightarrow \angle A = 90^o$ .... (7)

समी० (5) तथा (7) से स्पष्ट है कि

ABCD एक वर्ग है | Proved

Q6. समांतर चतुर्भुज ABCD का विकर्ण AC कोण A को समद्विभाजित करता है | दर्शाइए कि

(i) यह $\angle C$ को भी समद्विभाजित करता है |

(ii) ABCD एक समचतुर्भुज है |

Solution:

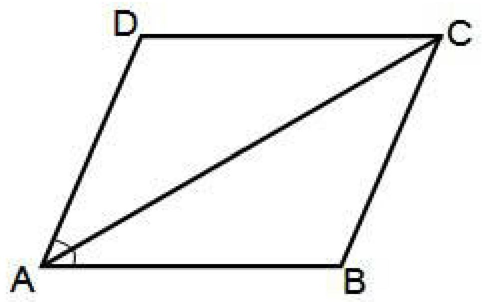

दिया है : ABCD एक समांतर चतुर्भुज है जिसका

विकर्ण AC कोण A को समद्विभाजित करता है |

सिद्ध करना है :

(i) AC, $\angle C$ को भी समद्विभाजित करता है |

(ii) ABCD एक समचतुर्भुज है |

प्रमाण:

(i)

ΔABC तथा ΔDAC में,

$\angle BAC = \angle BAC$ (दिया है)

$\angle B = \angle D$ (समांतर चतुर्भुज के सम्मुख कोण बराबर होते है)

$AC = AC$ (उभयनिष्ठ)

अत: ASA सर्वांगसमता नियम से

$\Delta ABC \cong \Delta DAC$

$\therefore \angle BCA = \angle DCA$ (**By CPCT**)

अत: विकर्ण AC, $\angle C$ को समद्विभाजित करता है |

(ii)

पुन: $AB = AD$ (**By CPCT**) .... (1)

चूँकि ABCD एक समांतर चतुर्भुज है |

$\therefore AB = CD$ (समांतर चतुर्भुज की सम्मुख भुजा) ......(2)

और

BC = AD (समांतर चतुर्भुज की सम्मुख भुजा) ......(3)

समीकरण (1), (2) तथा (3) से

AB = BC = CD = AD

अत: ABCD एक समचतुर्भुज है | (Proved)

Q7. ABCD एक समचतुर्भुज है | दर्शाइए कि AC कोणों A और C दोनों को समद्विभाजित करता है तथा विकर्ण BD कोणों B तथा D दोनों को समद्विभाजित करता है |

Solution:

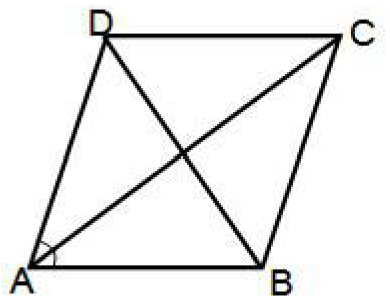

दिया है : ABCD एक समचतुर्भुज चतुर्भुज है |

सिद्ध करना है :

(i) AC, ∠A तथा ∠C को भी समद्विभाजित करता है |

(ii) BD, ∠B तथा ∠D को भी समद्विभाजित करता है |

प्रमाण:

(i)

ΔABC तथा ΔADC में,

AB = AD (समचतुर्भुज की भुजाएँ)

∠B = ∠D (समचतुर्भुज के सम्मुख कोण बराबर होते है)

AC = AC (उभयनिष्ठ)

अत: SAS सर्वांगसमता नियम से

ΔABC ≅ ΔADC

∴ ∠BAC = ∠DAC (**By CPCT**) .... (1)

∴ ∠BCA = ∠DCA (**By CPCT**) ....(2)

समी० (1) तथा (2) से

विकर्ण AC, ∠A तथा ∠C को समद्विभाजित करता है |

इसी प्रकार हम

(ii) BD, ∠B तथा ∠D को भी समद्विभाजित करता है |

को भी सिद्ध कर सकते हैं |

Q8. ABCD एक आयत है जिसमें विकर्ण AC दोनों कोण A और C को समद्विभाजित करता है | दर्शाइए कि:

(i) ABCD एक वर्ग है |

(ii) विकर्ण BD दोनों कोण B और D को समद्विभाजित करता है

Solution:

दिया है: ABCD एक आयत है जिसमें विकर्ण AC दोनों कोण A और C को समद्विभाजित करता है |

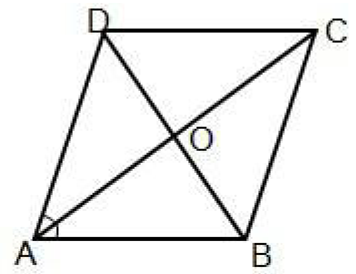

सिद्ध करना है :

(i) ABCD एक वर्ग है |

(ii) विकर्ण BD दोनों कोण B और D को समद्विभाजित करता है |

प्रमाण:

(i) चूँकि ABCD एक आयत है |

∴ AB = CD .... (1) आयत की सम्मुख भुजा

और AD = BC .... (2) आयत की सम्मुख भुजा

अब, ΔABC तथा ΔACD में,

$\angle BAC = \angle DAC$ (दिया है) चूँकि AC कोण A और C को समद्विभाजित करता है |

$AC = AC$ (उभयनिष्ठ)

$\angle B = \angle D$ (प्रत्येक 90°) आयत के कोण

A.A.S सर्वांगसमता नियम से

$\Delta ABC \cong \Delta ACD$

$\therefore AB = AD$ .... (3) (By CPCT /सर्वांगसम त्रिभुज के संगत भाग)

समीकरण (1), (2) और (3) से

$AB = BC = CD = AD$

चूँकि ABCD एक आयत है और इसकी प्रत्येक भुजा बराबर भी है |

अत: ABCD एक वर्ग है | **Proved**

(ii) ΔABD तथा ΔCBD में,

$AB = BC$ (वर्ग की भुजा)

$BD = BD$ (उभयनिष्ठ)

$\angle A = \angle C$ (प्रत्येक 90°) वर्ग के कोण

S.A.S सर्वांगसमता नियम से

$\Delta ABD \cong \Delta CBD$

$\left.\begin{array}{l} \therefore \angle ABD = \angle CBD \\ \text{और } \angle ADB = \angle CDB \end{array}\right\}$ (By CPCT /सर्वांगसम त्रिभुज के संगत भाग)

$\Delta \angle$

Q9. समांतर चतुर्भुज ABCD के विकर्ण BD पर दो बिंदु P और Q इस प्रकार स्थित हैं कि DP = BQ है। दर्शाइए कि

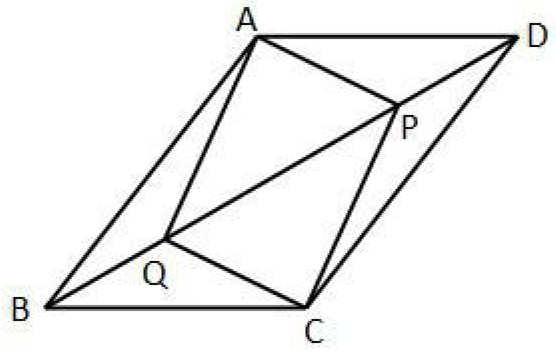

(i) Δ APD ≅ Δ CQB

(ii) AP = CQ

(iii) Δ AQB ≅ Δ CPD

(iv) AQ = CP

(v) APCQ एक समान्तर चतुर्भुज है |

Solution:

दिया है : ABCD एक समांतर चतुर्भुज है और DP = BQ है |

सिद्ध करना है :

(i) Δ APD ≅ Δ CQB

(ii) AP = CQ

(iii) Δ AQB ≅ Δ CPD

(iv) AQ = CP

(v) APCQ एक समान्तर चतुर्भुज है |

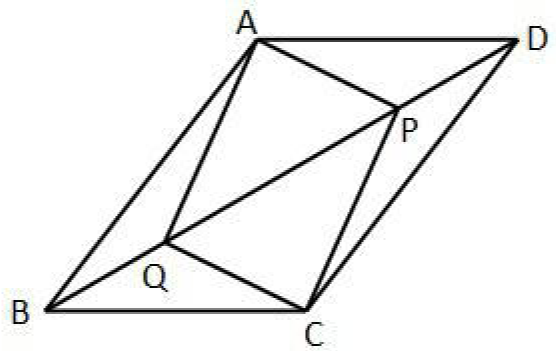

प्रणाम :

(i) Δ APD तथा Δ CQB में

AD = BC (समांतर चतुर्भुज की सम्मुख भुजा)

DP = BQ (दिया है)

$\angle$ADP = $\angle$CBQ (एकांतर अत: कोण)

अत: S.A.S सर्वांगसमता नियम से

$\therefore$ Δ APD $\cong$ Δ CQB

(i) अत: AP = CQ .... (1) (By CPCT /सर्वांगसम त्रिभुज के संगत भाग)

(iii) Δ AQB तथा Δ CPD में

AB = DC (समांतर चतुर्भुज की सम्मुख भुजा)

BQ = DP (दिया है)

$\angle$ABQ = $\angle$CDP (एकांतर अत: कोण)

अत: S.A.S सर्वांगसमता नियम से

$\therefore$ Δ AQB $\cong$ Δ CPD

(iv) अत: AQ = CP .... (2) (By CPCT /सर्वांगसम त्रिभुज के संगत भाग)

(v) समीo (1) तथा (2) से

APCQ एक समान्तर चतुर्भुज है |

Q10. ABCD एक समांतर चतुर्भज है तथा AP और CQ

शीर्षों A और C से विकर्ण BD पर क्रमशः लम्ब हैं।

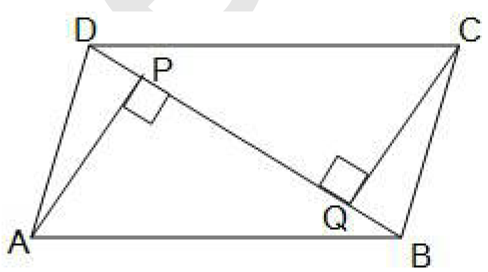

दर्शाइए कि

(i) Δ APB $\cong$ Δ CQD

(ii) AP = CQ

Solution:

दिया है : ABCD एक समांतर चतुर्भज है तथा AP और CQ

शीर्षों A और C से विकर्ण BD पर क्रमशः लम्ब हैं।

सिद्ध करना है :

(i) Δ APB $\cong$ Δ CQD

(ii) AP = CQ

प्रमाण:

(i) Δ APB तथा Δ CQD में,

AB = CD (समांतर चतुर्भुज की सम्मुख भुजा)

$\angle$ABP = $\angle$CDQ (एकांतर अत: कोण)

$\angle$APB = $\angle$CQD (प्रत्येक 90°)

अत:, ASA सर्वांगसमता नियम से

Δ APB $\cong$ Δ CQD

(ii) इसलिए, AP = CQ (By CPCT /सर्वांगसम त्रिभुज के संगत भाग)

Q11. ΔABC और ΔDEF में, AB = DE, AB||DF, BC = EF और BC||EF है | शीर्षों A, B और C को क्रमश: शीर्षों D, E और F से जोड़ा जाता है | दर्शाइए कि

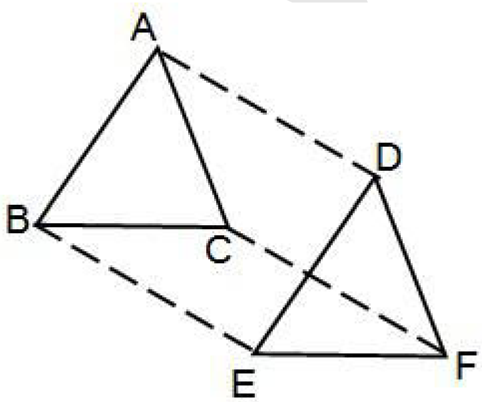

(i) चतुर्भुज ABED एक समांतर चतुर्भुज है।

(ii) चतुर्भुज BEFC एक समांतर चतुर्भुज है।

(iii) AD || CF और AD = CF है|

(iv चतुर्भुज ACFD एक समांतर चतुर्भुज है।

(v) AC = DF है |

(vi) Δ ABC ≅ Δ DEF है |

Solution:

दिया है : ΔABC और ΔDEF में, AB = DE, AB||DF, BC = EF और BC||EF है |

सिद्ध करना है :

(i) चतुर्भुज ABED एक समांतर चतुर्भुज है।

(ii) चतुर्भुज BEFC एक समांतर चतुर्भुज है।

(iii) AD || CF और AD = CF है|

(iv चतुर्भुज ACFD एक समांतर चतुर्भुज है।

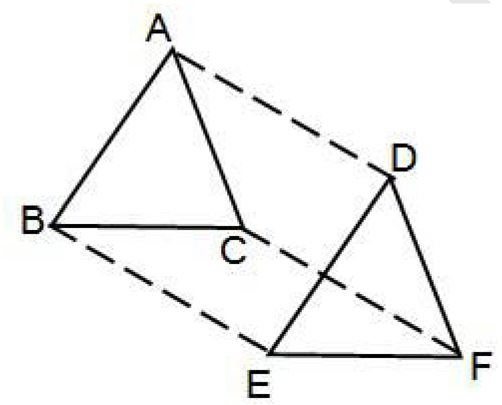

(v) AC = DF है |

(vi) Δ ABC ≅ Δ DEF है |

प्रमाण:

(i) चतुर्भुज ABED में

AB = DE और AB||DF दिया है |

∴ चतुर्भुज ABED एक समांतर चतुर्भुज है |

(यदि किसी चतुर्भुज की सम्मुख भुजाओं का एक युग्म बराबर और समांतर हो तो वह समांतर चतुर्भुज होता है)

अब, चूँकि ABED एक समांतर चतुर्भुज है |

∴ AD = BE और AD|| BE ....(1)

(समांतर चतुर्भुज की सम्मुख भुजा बराबर और समांतर होती है)

(ii) इसीप्रकार से, चतुर्भुज BEFC में

BC = EF और BC||EF दिया है |

∴चतुर्भुज BEFC एक समांतर चतुर्भुज है |

अत: CF = BE और CF||BE .... (2) (समांतर चतुर्भुज की सम्मुख)

(iii) समीo (1) तथा (2) से

AD || CF और AD = CF है|

(चूँकि सम्मुख भुजाओं का एक युग्म बराबर और समांतर है)

∴चतुर्भुज ACFD एक समांतर चतुर्भुज है।

इसलिए, AC = DF और AC||DF .... (3)

(vi) Δ ABC और Δ DEF में,

AB = DE (दिया है)

BC = EF (दिया है)

AC = DF (समीo 3 से)

S.S.S सर्वांगसमता नियम से

Δ ABC ≅ Δ DEF **Proved**

Q12. ABCD एक समलम्ब है, जिसमें AB || DC और AD = BC है | दर्शाइए कि

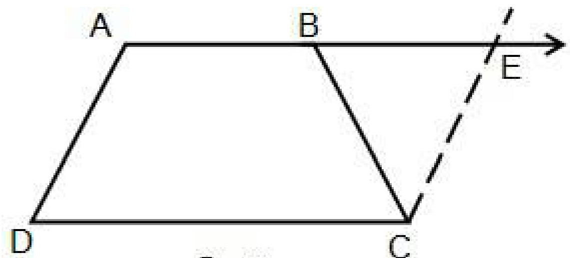

आकृति (i)

(i) ∠ A = ∠ B

(ii) ∠ C = ∠ D

(iii) Δ ABC ≅ Δ BAD

(iv) विकर्ण AC = विकर्ण BD है |

Solution:

दिया है : ABCD एक समलम्ब है,

जिसमें AB || DC और AD = BC है |

सिद्ध करना है :

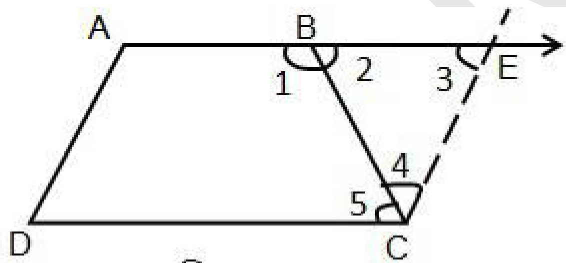

आकृति (ii)

(i) ∠ A = ∠ B

(ii) ∠ C = ∠ D

(iii) Δ ABC ≅ Δ BAD

(iv) विकर्ण AC = विकर्ण BD है |

रचना : AD के समांतर CE खिंचा |

प्रमाण: AB || DC .... (1) दिया है |

AD || CE .... (2) रचना से

[चूँकि सम्मुख भुजाओं का प्रत्येक युग्म समांतर हो तो वो समांतर चतुर्भुज होता है] |]

समीकरण (1) तथा (2) से

AECD एक समांतर चतुर्भुज है |

$\therefore$ AD = CE .... (3) **[समांतर चतुर्भुज AECD की सम्मुख भुजा]**

जबकि, AD = BC .... (4) दिया है |

समी० (3) तथा (4) से

BC = CE

$\therefore \angle 2 = \angle 3$ .... (5) **(बराबर भुजाओं के सम्मुख कोण ...)**

AB || CD दिया है और BC एक तिर्यक रेखा है |

$\therefore \angle 2 = \angle 5$ .... (6) [अंत: एकांतर कोण]

समी० (5) तथा (6) से हमें प्राप्त होता है |

$\angle 3 = \angle 5$ .... (7)

अब DBEC में,

बहिष्कोंण $\angle 1 = \angle 3 + \angle 4$

या $\angle 1 = \angle 5 + \angle 4$ समी० (7) से

या $\angle B = \angle ECD$ .... (8)

चूँकि, AECD एक समांतर चतुर्भुज है |

$\therefore$ $\angle A = \angle ECD$ .... (9) **[समांतर चतुर्भुज के सम्मुख कोण]**

समी० (8) और (9) से

$\angle A = \angle B$ ....(10) Proved (i)

(ii) पुन:, $\angle D = \angle E$ **[समांतर चतुर्भुज के सम्मुख कोण]**

या $\angle D = \angle 3$ .... (11)

समी० (7) और (11) से

$\angle D = \angle 5$

या $\angle D = \angle C$ proved(ii)

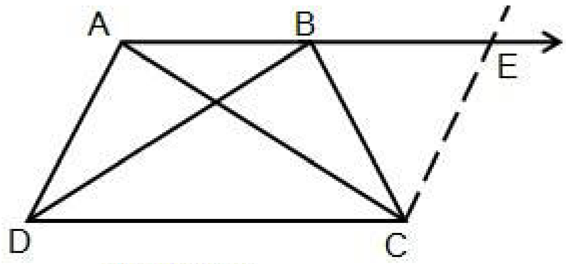

आकृति (ii)

(iii) Δ ABC और Δ BAD में

AD = BC (दिया है)

AB = AB (उभयनिष्ठ भुजा')

$\angle A = \angle B$ समी० (10) से

अत: SAS सर्वांगसमता नियम से

$\Delta ABC \cong \Delta BAD$

(iv) विकर्ण AC = विकर्ण BD (**By CPCT /सर्वांगसम त्रिभुज के संगत भाग**)

✲ ✱ ✰ - The End -✰ ✱ ✲

Exercise 8.2

Q1. ABCD एक चतुर्भुज है जिसमें P, Q, R और S क्रमश: भुजाओं AB, BC, CD और DA के

मध्य-बिंदु हैं | AC उसका एक विकर्ण है | दर्शाइए कि

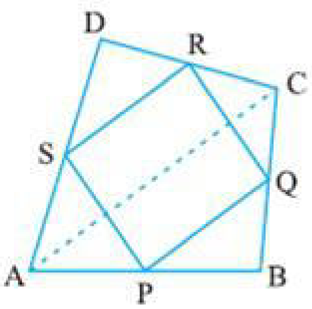

(i) SR || AC और SR = $\frac{1}{2}$ AC है |

(ii) PQ = SR है |

(iii) PQRS एक समान्तर चतुर्भुज है |

हल :

दिया है : ABCD एक चतुर्भुज है जिसमें P, Q, R और S क्रमश: भुजाओं AB, BC, CD और DA के मध्य-बिंदु हैं |

सिद्ध करना है :

(i) SR || AC और SR = $\frac{1}{2}$ AC है |

(ii) PQ = SR है |

(iii) PQRS एक समान्तर चतुर्भुज है |

प्रमाण : त्रिभुज ADC में

AD तथा CD का मध्यबिंदु क्रमश: S तथा R है | **(दिया है)**

अत: मध्य-बिंदु प्रमेय से

इसलिए, SR || AC और SR = $\frac{1}{2}$ AC .... (i)

त्रिभुज ABC में,

AB तथा BC का मध्य-बिंदु P तथा Q है | **(दिया है)**

इसलिए मध्य-बिंदु प्रमेय से

PQ || AC और PQ = $\frac{1}{2}$ AC .... (ii)

समीकरण (i) तथा (ii) से

SR || PQ और SR = PQ

अर्थात PQ = SR

(यदि किसी चतुर्भुज के सम्मुख भुजाओं के एक युग्म में से कोई भी एक युग्म बराबर और समान्तर हो तो वो समान्तर चतुर्भुज होता है) .

इसलिए PQRS एक समान्तर चतुर्भुज है |

Q2. ABCD एक समचतुर्भुज है और P, Q, R और S क्रमशः भुजाओं AB, BC, CD और DA के मध्य-बिंदु है। दर्शाइए कि चतुर्भुज PQRS एक आयत है।

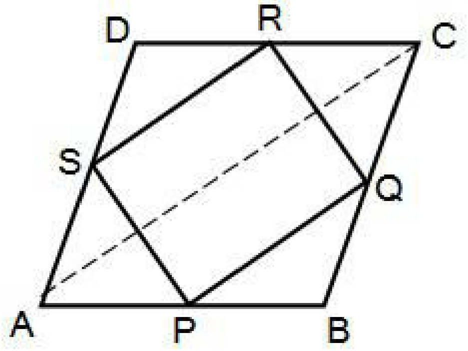

हल :

दिया है : ABCD एक समचतुर्भुज है और P, Q, R और S

क्रमशः भुजाओं AB, BC, CD और DA के मध्य-बिंदु है।

सिद्ध करना है :

PQRS एक आयत है |

प्रमाण : त्रिभुज ADC में

AD तथा CD का मध्यबिंदु क्रमश: S तथा R है | **(दिया है)**

अत: मध्य-बिंदु प्रमेय से

इसलिए, SR || AC और SR = $\frac{1}{2}$ AC .... (i)

त्रिभुज ABC में,

AB तथा BC का मध्य-बिंदु P तथा Q है | (दिया है)

इसलिए मध्य-बिंदु प्रमेय से

PQ || AC और PQ = $\frac{1}{2}$ AC .... (ii)

समीकरण (i) तथा (ii) से

SR || PQ और SR = PQ

(यदि किसी चतुर्भुज के सम्मुख भुजाओं के एक युग्म में से कोई भी एक युग्म बराबर और समान्तर हो तो वो समान्तर चतुर्भुज होता है) .

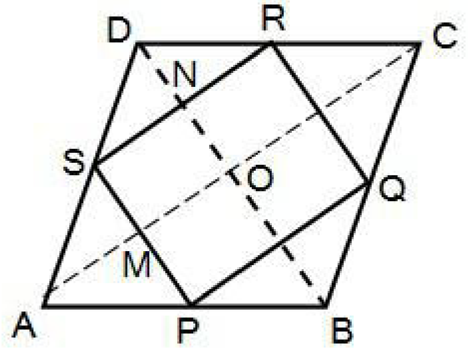

इसलिए PQRS एक समान्तर चतुर्भुज है |

चूँकि ABCD एक समचतुर्भुज है |

इसलिए, $\angle AOD = 90^\circ$

या $\angle MON = 90^\circ$

(समचतुर्भुज के विकर्ण एक दुसरे को समकोण पर समद्विभाजित करते हैं !)

अब SR || AC और SP || BD है

तो SMON भी एक समान्तर चतुर्भुज है |

इसलिए $\angle MSN = \angle MON = 90^\circ$ (समांतर चतुर्भुज के सम्मुख कोण बराबर होते हैं)

या $\angle PSR = 90^\circ$

अत: PQRS एक आयत है | **Proved**

Q3. ABCD एक आयत है, जिसमें P, Q, R और S क्रमश: भुजाओं AB, BC, CD और DA के मध्य-बिंदु हैं | दर्शाइए कि चतुर्भुज PQRS एक समचतुर्भुज है |

हल :

दिया है : ABCD एक आयत है, जिसमें P, Q, R और S क्रमश: भुजाओं AB, BC, CD और DA के मध्य-बिंदु हैं |

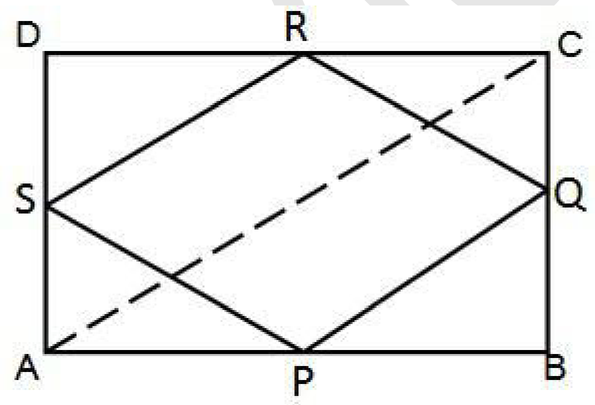

सिद्ध करना है :

PQRS एक समचतुर्भुज है |

रचना : A को C से मिलाया |

प्रमाण : त्रिभुज ADC में

AD तथा CD का मध्यबिंदु क्रमश: S तथा R है | **(दिया है)**

अत: मध्य-बिंदु प्रमेय से

इसलिए, SR || AC और SR = $\frac{1}{2}$ AC .... (i)

त्रिभुज ABC में,

AB तथा BC का मध्य-बिंदु P तथा Q है | **(दिया है)**

इसलिए मध्य-बिंदु प्रमेय से

PQ || AC और PQ = $\frac{1}{2}$ AC .... (ii)

समीकरण (i) तथा (ii) से

SR || PQ और SR = PQ

(यदि किसी चतुर्भुज के सम्मुख भुजाओं के एक युग्म में से कोई भी एक युग्म बराबर और समान्तर हो तो वो समान्तर चतुर्भुज होता है) .

इसलिए PQRS एक समान्तर चतुर्भुज है |

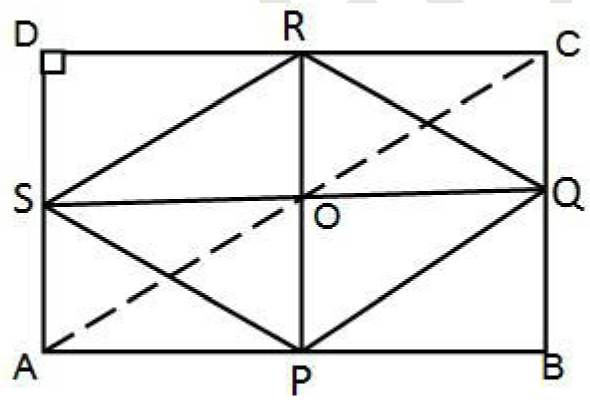

अब, चूँकि ABCD एक आयत है |

इसलिए , AB || CD या SQ || CD ...(i)

(क्योंकि S तथा Q AD तथा BC के मध्य-बिंदु है |)

इसीप्रकार AD || PR ...... (ii)

अत: समीकरण (i) तथा (ii) से

DSOR एक समान्तर चतुर्भुज है |

इसलिए, $\angle SOR = \angle D$ (समान्तर चतुर्भुज कि सम्मुख भुजा)

जबकि, $\angle D = 90^\circ$ (आयत का प्रत्येक कोण)

इसलिए $\angle SOR = 90^\circ$

चूँकि PQRS एक समांतर चतुर्भुज है जिसके विकर्ण समकोण पर प्रतिच्छेद करते हैं |

अत: PQRS एक समचतुर्भुज है |
(वह समांतर चतुर्भुज जिसके विकर्ण समकोण पर प्रतिच्छेद करते हैं समचतुर्भुज कहलाता है |)

Q4. ABCD एक समलंब है, जिसमें AB || DC है। साथ ही, BD एक विकर्ण है और E भुजा AD का मध्य-बिंदु है। E से होकर एक रेखा AB के समांतर खींची गई है, जो BC को F पर प्रतिच्छेद करती है । दर्शाइए कि F भुजा BC का मध्य-बिंदु है।

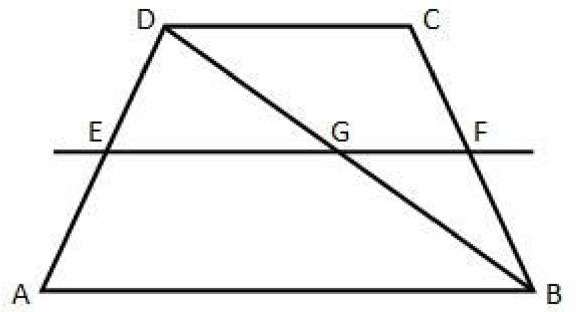

हल :

दिया है : ABCD एक समलंब है, जिसमें AB || DC है।

साथ ही, BD एक विकर्ण है और E भुजा AD का

मध्य-बिंदु है। E से होकर एक रेखा AB के समांतर

खींची गई है, जो BC को F पर प्रतिच्छेद करती है ।

सिद्ध करना है : CF = BF

रचना : D को B से मिलाया जो EF को G पर प्रतिच्छेद करता है |

प्रमाण :

DABD में,

AB || EF ..... (i) (दिया है)

और E भुजा AD का मध्य-बिंदु है |

(किसी त्रिभुज की एक भुजा के मध्य-बिंदु से दूसरी भुजा के समांतर खिंची गई रेखा तीसरी भुजा को समद्विभाजित करती है)

अत: मध्य-बिंदु प्रमेय 8.10 से

इसलिए बिंदु G भुजा BD का मध्य-बिंदु है | .... (i)

अब AB || CD .... (ii) (दिया है)

समीकरण (i) तथा (ii) से

CD || EF और बिंदु G भुजा BD का मध्य-बिंदु है [समीकरण (i) से]

अत: मध्य-बिंदु प्रमेय 8.10 से DBCD में

F भुजा BC का मध्य-बिंदु है |

इसलिए CF = BF **proved**

Q5. एक समांतर चतुर्भुज ABCD में E और F क्रमश: भुजाओं AB और CD के मध्य-बिंदु हैं | दर्शाइए कि रेखाखंड AF और EC विकर्ण BD को समत्रिभाजित करते हैं |

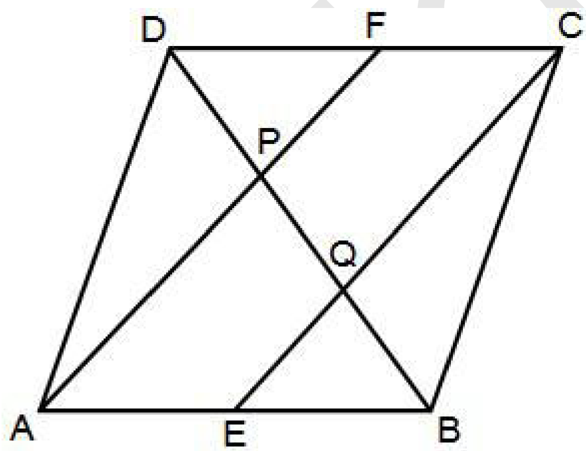

हल :

दिया है : एक समांतर चतुर्भुज ABCD में E और F

क्रमश: भुजाओं AB और CD के मध्य-बिंदु हैं |

सिद्ध करना है : DP = PQ = QB

प्रमाण :

DABP में,

E भुजा AB का मध्य-बिंदु है और AF||EC दिया है |

अत: मध्य-बिंदु प्रमेय 8.10 से

Q भुजा PB का मध्य-बिंदु है |

अत: PQ = QB .... (i)

(किसी त्रिभुज की एक भुजा के मध्य-बिंदु से दूसरी भुजा के समांतर खिंची गई रेखा तीसरी भुजा को समद्विभाजित करती है)

अब, DCDQ में,

F भुजा CD का मध्य-बिंदु है और AF||EC दिया है |

अत: मध्य-बिंदु प्रमेय 8.10 से

P भुजा DQ का मध्य-बिंदु है |

इसलिए, DP = PQ .... (ii)

समीकरण (i) तथा (ii) से

DP = PQ = QB **Proved**

Q6. दर्शाइए कि किसी चतुर्भुज की सम्मुख भुजाओं के मध्य-बिंदुओं को मिलाने वाले रेखाखंड परस्पर समद्विभाजित करते हैं।

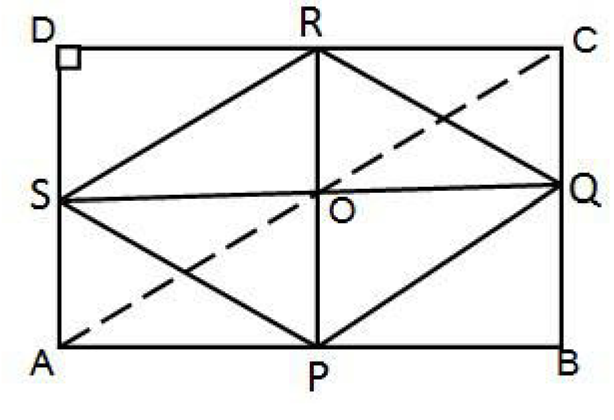

हल :

दिया है : ABCD एक चतुर्भुज है जिसके भुजाएँ

AB, BC, CD और DA का मध्य-बिंदु क्रमश:

P, Q, R और S है |

सिद्ध करना है : विकर्ण PR और SQ एक दुसरे को समद्विभाजित करते हैं |

रचना : P, Q, R और S को मिलाया और A को C से मिलाया |

प्रमाण : त्रिभुज ADC में

AD तथा CD का मध्यबिंदु क्रमश: S तथा R है | **(दिया है)**

अत: मध्य-बिंदु प्रमेय से

इसलिए, SR || AC और SR = $\frac{1}{2}$ AC .... (i)

त्रिभुज ABC में,

AB तथा BC का मध्य-बिंदु P तथा Q है | **(दिया है)**

इसलिए मध्य-बिंदु प्रमेय से

PQ || AC और PQ = $\frac{1}{2}$ AC .... (ii)

समीकरण (i) तथा (ii) से

SR || PQ और SR = PQ

अर्थात PQ = SR

(यदि किसी चतुर्भुज के सम्मुख भुजाओं के एक युग्म में से कोई भी एक युग्म बराबर और समान्तर हो तो वो समान्तर चतुर्भुज होता है) .

इसलिए PQRS एक समान्तर चतुर्भुज है |

अब चूँकि PQRS एक समांतर चतुर्भुज है तो इसके विकर्ण PR और SQ एक दुसरे को समद्विभाजित करते हैं |

(समांतर चतुर्भुज के विकर्ण एक दुसरे को समद्विभाजित करते है |)

Q7. ABC एक त्रिभुज है जिसका कोण C समकोण है | कर्ण AB के मध्य-बिंदु M से होकर BC के समांतर खिंची गई रेखा AC को D पर प्रतिच्छेद करती है | दर्शाइए कि

(i) D भुजा AC का मध्य-बिंदु है |

(ii) $MD \perp AC$ है |

(iii) $CM = MA = \frac{1}{2} AB$ है |

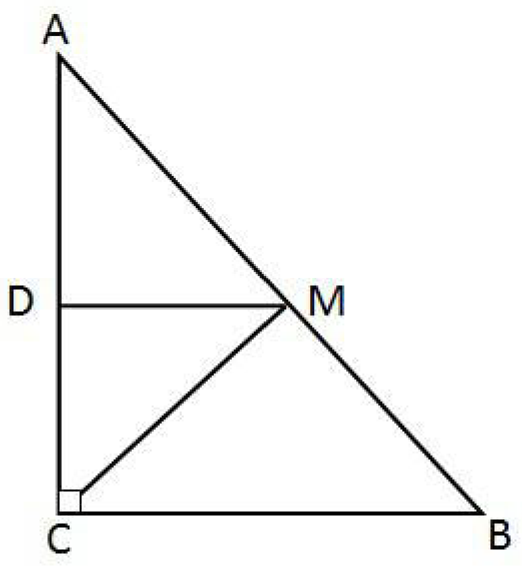

हल :

दिया है : ABC एक त्रिभुज है जिसका कोण C समकोण है | कर्ण AB के मध्य-बिंदु M से होकर BC के समांतर खिंची गई रेखा AC को D पर प्रतिच्छेद करती है |

सिद्ध करना है :

(i) D भुजा AC का मध्य-बिंदु है |

(ii) $MD \perp AC$ है |

(iii) $CM = MA = \frac{1}{2} AB$ है |

प्रमाण : (i) DABC में

M भुजा AB का मध्य-बिंदु है और MD || BC है |

अत: मध्य-बिंदु प्रमेय 8.10 से

(किसी त्रिभुज की एक भुजा के मध्य-बिंदु से दूसरी भुजा के समांतर खिंची गई रेखा तीसरी भुजा को समद्विभाजित करती है)

इसलिए, D भुजा AC का मध्य-बिंदु है |

अत: AD = CD .... (i)

(ii) MD || BC दिया है और AC एक तिर्यक रेखा है |

इसलिए $\angle ADM = \angle ACB$ (संगत कोण)

या $\angle ADM =$ [चूँकि $\angle ACB = 90^\circ$]

अत: $MD \perp AC$ है |

(iii) ΔADM तथा ΔCDM में

$AD = CD$ .... समी॰ (i) से

$MD = MD$ (उभयनिष्ठ भुजा)

$\angle ADM = \angle CDM$ (प्रत्येक 90°)

SAS सर्वांगसमता नियम से

$\Delta ADM \cong \Delta CDM$

इसलिए, $MA = CM$ .... (ii) By CPCT नियम से

अब $MA + MB = AB$

या $MA + MA = AB$ [चूँकि $MA = MB$]

या $2\ MA = AB$

या $MA = \frac{1}{2} AB$

या $CM = MA = \frac{1}{2} AB$ समी॰ (ii) से